Mr. Speaker: Public carriers may be in the public sector and private sector also.

Shri Anthony Pillai: Do Government propose to consult the Standing Labour Committee before introducing the legislation in this House?

Shri Abid Ali: The Standing Labour Committee has been consulted twice in the matter; it is not proposed to consult it again.

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन्, इस विधेयक को अन्तिम स्वरूप देते समय क्या इस बात का ध्यान रखा जा रहा है कि अलग अलग जगहों में कार्य करने की परिस्थितियां अलग अलग हैं जैसे कि पहाड़ में जो मोटर चलाने वाले हैं अगर उन को ८ या १२ घंटे गाड़ी चलाने को कहा गया तो ऐक्सिडेंट्स होने का खतरा होगा, इसलिये उन के काम के घंटे कम रक्खे जायें, क्या इस पर ध्यान रक्खा गया है ?

श्री आबिद अली : इस पर ध्यान तो रक्खा ही गया है।

दिल्ली में परीक्षणात्मक टेलीविजन केन्द्र

+

*७२६. श्री भक्त दर्शन :
श्री राम कृष्ण गुप्त :
श्री दी० चं० शर्मा :
श्री केशव :
श्री वोडयार :
श्री साधन गुप्त :
श्रीमती इला पालचौधरी :
श्री सं० म० मेहदी :
श्री प्र० च० बरुआ :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री ८ अप्रैल, १९५९ के तारांकित प्रश्न संख्या १७४५ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि दिल्ली में परीक्षण के तौर पर एक टेलीविजन केन्द्र स्थापित करने में अब तक और क्या प्रगति हुई है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री के सभा सचिव (श्री श० चं० जोशी) : आशा है कि दिल्ली से शिक्षा सम्बन्धी तथा प्रयोग के तौर पर टेलीविजन यूनिट का उद्घाटन १५ सितम्बर १९५९ को हो जायेगा। ये कार्यक्रम सप्ताह में दो बार होंगे।

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन, पिछली बार जब अप्रैल में माननीय मंत्री जी ने इस प्रश्न का उत्तर दिया था तब कहा था कि एक या दो महीनों के अन्दर यह कार्य पूरा हो जायेगा। यद्यपि १५ सितम्बर में देरी नहीं है, फिर भी मैं जानना चाहता हूं कि इस में इतनी देरी क्यों हो गई है।

सूचना और प्रसारण मंत्री (डा० केसकर): टेलिविजन या रेडियो चलाने के लिये अकेले मशीनरी ही काम नहीं देती है, देखने या सुनने के लिये कुछ सेट्स की भी जरूरत होती है। हम बहुत काफी तादाद में सेट्स नहीं मंगवा सके, इसी लिये देर हुई है, लेकिन अब १५ तारीख निश्चित है।

श्री भक्त दर्शन : श्रीमान, मैं यह जानना चाहता हूं कि जो यह नया परीक्षण किया जा रहा है, या नई व्यवस्था की जा रही है उस से दिल्ली से कितने मील तक लोगों को फायदा हो सकेगा और क्या यह अनुमान लगाया गया है कि उस से कितने लोग लाभान्वित हो सकेंगे ?

डा० केसकर: आज कल जिस शक्ति के ट्रांस्मिटर का उपयोग कर रहे हैं उसके अनुसार यहां से दस या पन्द्रह मील के दायरे के अन्दर लोग देख सकेंगे।

Shri P. C. Borooah: May I know whether the team of technicians sent to America for training have returned, if so, whether they have submitted any report; and, if they have submitted a report, whether that report has been considered and with what result?

Dr. Keskar: No particular team has been sent for this purpose. We have

at present two or three of our engineers who have gone to take experience for three months. But this particular unit is already beginning to function on the experience and knowledge of our own engineers who have had occasion to learn about television before

Shri Keshava: May I know what is the total number of sets that this experimental station is likely to serve?

Dr Keskar: There can be any number of sets put up for those who want to see, but we ourselves are going to begin with a very modest number of sets I had occasion to inform the House before that these programmes are meant for schools and communities mostly in the rural areas though we do propose to put up a few sets in the urban areas also Individuals can have sets, of course, to see this programmes There is no bar, but probably the limiting factor will be the availability of television sets

सेठ अचल सिंह क्या मंत्री महोदय बतलाने की कृपा करेंगे कि जब टेलिवीजन फिट हो जायेगा तो क्या दिल्ली के बाहर जो प्रदर्शनियां आदि होती हैं उन में भी देखने के वास्ते इसे भेजा जायेगा ?

डा० केसकर यह नहीं हो सकेगा क्योंकि टेलिविजन की मशीनरी जो एक बार स्थापित हो जाती है उस को वहां से फिर हटाना बड़ा कठिन है ।

सरदार अ० सिं० सहगल अभी मंत्री जी ने यह बतलाया कि टेलिविजन सेट मंगाने में दिक्कते हैं। तो मैं जानना चाहता हूं कि कौन सी ऐसी दिक्कतें हैं जिनकी वजह से सरकार उन को जल्दी नहीं मंगवा सकी ।

डा० केसकर सब से बड़ी दिक्कत तो फारेन एक्सचेंज की है । अब भी जो सेट हम ने मंगाये हैं वह पैसा खर्च कर के नहीं मंगाये हैं । यूनेस्को ने हम को ग्रांट दी है, उस ग्रांट की बदौलत यह सेट मंगाये गये हैं । अगर यह ग्रांट न मिलती और सहायता न होती तो शायद यह युनिट भी हम शुरू अभी आरम्भ न कर सकते ।

Price of Jute

\+
*1727. Shri Keshava:
Shri Bibhuti Mishra:
Shri Anirudh Sinha:
Shri S. C. Godsora:

Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) what are the reasons for the steady fall in the prices of jute since 1st January, 1959; and

(b) what measures Government have taken to check this fall?

The Minister of Commerce (Shri Kanungo): (a) The fluctuations in jute prices since January 1959 have not been abnormal the prices are currently looking up

(b) Does not arise

श्री बिभूति मिश्र क्या सच नहीं है कि सरकार जो भी जूट आता है उस का १ या २ परसेन्ट से ज्यादा नहीं खरीदती है ? मंडियो में ३०० या ४०० बैलगाड़िया जूट की ले जाई जाती है, जिस में से सरकार दो या तीन गाड़िया खरीदती है । बाकी गाड़िया वापस जाती हैं जिस से जूट का दाम गिर भी जाता है और किसानो को बड़ा नुक्सान होता है । मैं जानना चाहता हूं कि सरकार इस सम्बन्ध में क्या कर रही है ।

श्री कानूनगो यह सवाल तो प्राइसेज के बारे में था । जनवरी से अब तक नीचा से नीचा भाव कलकत्ते में २० रुपये १२ आने गया था और अब २३ रुपये ४ आने है । यानी फ्लक्चुएशन बहुत कम हुआ है, और उम्मीद है कि फ्लक्चुएशन बहुत ज्यादा नहीं होगा । याद रखना चाहिये कि दूसरे मुल्को में इस जूट की प्राइसेज बहुत गिर गई हैं ।

श्री बिभूति मिश्र : मैं कलकत्ते की कीमत नहीं जानना चाहता । बिहार में जो मं